

प्रगति प्रतिवेदन 2019–2020

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का ISO 9001:2015 प्रमाणित उपक्रम)



प्रगति प्रतिवेदन

2019–2020

(31 दिसम्बर 2019 तक)

अनुक्रमणिका

| क्र. सं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|----------|--|--------------|
| | अनुक्रमणिका | 1 |
| | निदेशक मण्डल | 2 |
| 1. | विद्युत उत्पादन निगम का कार्यक्षेत्र | 3 |
| 2. | विद्युत उत्पादन निगम की वित्तीय स्थिति | 5 |
| 3. | विद्युत उत्पादन निगम का लाभ / हानि का विवरण | 6 |
| 4. | ऊर्जा दर | 7 |
| 5. | स्रोतवार विद्युत उत्पादन एवम् प्रेषण | 9 |
| 6. | विद्युत उत्पादन निगम के कार्यरत संयंत्रों का कार्य निष्पादन | 10 |
| 7. | विद्युत उत्पादन निगम की निर्माणाधीन विद्युत परियोजनायें | 20 |
| 8. | नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व कार्य | 21 |
| 9. | विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक | 25 |
| 10. | निगम के विद्युत उत्पादन गृहों के परिचालन एवं दक्षता में सुधार हेतु प्रशिक्षण कार्य | 26 |
| 11. | विद्युत उत्पादन निगम का संगठनात्मक मानचित्र | 27 |
| 12. | विद्युत उत्पादन निगम की जनशक्ति | 28 |

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

निदेशक मण्डल (31.12.2019 को)

| | |
|--------------------------|------------------------------|
| श्री पी.रमेश , IAS | अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक |
| श्री कुंजी लाल मीणा, IAS | निदेशक |
| डा. पृथ्वी राज, IAS | निदेशक |
| सुश्री रेणु जयपाल, IAS | निदेशक |
| श्री श्याम स्वरूप मीणा | निदेशक (तकनीकी) |
| श्री प्रहलाद सहाय आर्य | निदेशक (परियोजना) |
| श्री एम.के. खण्डेलवाल | निदेशक (वित्त) (कार्यभार) |

विद्युत उत्पादन निगम का कार्यक्षेत्र

ऊर्जा क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान सरकार द्वारा 19 जुलाई, 2000 को कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का गठन किया गया। राज्य में ऊर्जा उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्पादन निगम प्रदेश के चहुँमुखी तीव्र विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। वर्तमान (31.12.2019 तक) में निगम (अनुषंगी कम्पनी सहित) के विभिन्न तापीय एवं पन बिजलीघरों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 7277.35 मेगावाट है जिसका विवरण निम्नानुसार है : -

| क्र. सं. | विद्युतगृह का नाम | अधिष्ठापित क्षमता | |
|--|--|-------------------|----------------|
| 1. | सूरतगढ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन | 1500 | मेगावाट |
| 2. | कोटा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन | 1240 | मेगावाट |
| 3. | छबड़ा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन | 1000 | मेगावाट |
| 4. | छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन | 1320 | मेगावाट |
| 5. | कालीसिंध थर्मल पॉवर स्टेशन | 1200 | मेगावाट |
| 6. | धौलपुर गैस थर्मल पॉवर स्टेशन | 330 | मेगावाट |
| 7. | रामगढ़ गैस थर्मल पॉवर स्टेशन | 273.5 | मेगावाट |
| 8. | माही जल विद्युतगृह - प्रथम एवं द्वितीय | 140 | मेगावाट |
| 9. | लघु जल विद्युतगृह (10) | 23.85 | मेगावाट |
| राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की अनुषंगी कम्पनी | | | |
| 10. | गिरल लिग्नाइट पॉवर लिमिटेड | 250 | मेगावाट |
| | कुल | 7277.35 | मेगावाट |

उपरोक्त के साथ ही अन्तरराज्यीय साझेदारी परियोजनान्तर्गत राणा प्रताप सागर (172 मेगावाट) तथा जवाहर सागर पन बिजलीघर (99 मेगावाट) का परिचालन एवं संधारण भी उत्पादन निगम द्वारा किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा संचालित विद्युत उत्पादन संयंत्र अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए देशभर में ख्यातनाम रहे हैं। राजस्थान का गौरव कहलाने वाले कोटा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन देश में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन करने वाले ताप बिजलीघरों की पंक्ति में अग्रणी स्थान पर रहता है। उत्पादन निगम के कोटा तापीय विद्युत गृह को वर्ष 2018-19 के लिए ऊर्जा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में द्वितीय स्थान से पुरस्कृत किया गया है। Confederation of Indian Industry द्वारा भी ऊर्जा दक्षता के सन्दर्भ में कोटा तापीय विद्युत गृह को वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। निगम द्वारा राज्य क्षेत्र में प्रथम सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित परियोजना छबड़ा सुपरक्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना (2x660 मेगावाट) की ईकाई- 5 एवं 6 से क्रमशः दिनांक 09.08.2018 तथा 02.04.2019 से सतत् वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ किया जा चुका है।

विद्युत उत्पादन निगम की वित्तीय स्थिति

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना G.S.R 111(E) दिनांक 16 फरवरी, 2015 के अनुसार अपने वित्तीय विवरण वर्ष 2016-17 से कम्पनी अधिनियम की धारा 133 के अन्तर्गत विहित भारतीय लेखा मानकों (IND-AS) की पालना करते हुये तैयार किये हैं। भारतीय लेखा मानकों की पालनार्थ विगत तीन वर्षों के तुलना-पत्रों को भी तदनुसार समायोजित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2016-17 (अंकेक्षित), 2017-18 (अंकेक्षित), 2018-19 (अंकेक्षित) एवं वर्ष 2019-20 (अनअंकेक्षित) लेखों के आधार पर उत्पादन निगम की सम्पत्ति और दायित्वों की स्थिति का विवरण निम्न प्रकार है-

| विवरण | 31 मार्च, 2017 को | 31 मार्च, 2018 को | 31 मार्च, 2019 को | (करोड रूपये) 2019-20 (सितम्बर 2019 तक) |
|---|----------------------|----------------------|----------------------|---|
| | (अंकेक्षित) | (अंकेक्षित) | (अंकेक्षित) | (अनअंकेक्षित) |
| (अ) आस्तियां | | | | |
| I गैर-चालू आस्तियां | | | | |
| 1. आस्तियां संयंत्र और उपकरण | 18053.41 | 17069.03 | 20712.13 | 24015.93 |
| 2. प्रगतिरत पूंजीगत कार्य | 13652.67 | 16213.93 | 13222.98 | 9688.15 |
| 3. अमूर्त आस्तियां | 150.88 | 148.66 | 155.24 | 153.52 |
| 4. वित्तीय आस्तियां | | | | |
| (i) निवेश | 370.15 | 185.10 | 0.10 | 0.10 |
| (ii) अन्य | 161.52 | 120.75 | 103.31 | 101.77 |
| अन्य गैर -चालू-आस्तियां | 562.96 | 704.12 | 662.56 | 631.48 |
| कुल गैर-चालू आस्तियां | 32951.59 | 34441.59 | 34856.33 | 34590.95 |
| II चालू आस्तियां | | | | |
| 1. सामग्री-सूची | 893.08 | 502.58 | 1082.89 | 680.11 |
| 2. वित्तीय आस्तियां | | | | |
| (i) व्यापारिक प्राप्तियां | 9807.73 | 11240.59 | 18409.55 | 20088.04 |
| (ii) नकद एवं नकद तुल्यमान | 68.32 | 99.06 | 168.99 | 62.89 |
| (iii) उपरोक्त (ii) के अतिरिक्त बैंक शेष | 74.48 | 57.21 | 91.93 | 64.06 |
| (iv) ऋण | 3.55 | 3.53 | 3.50 | 3.50 |

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

| | | | | |
|---|-----------|-----------|-----------|-----------|
| (v) अन्य | 2262.19 | 2406.92 | 2739.65 | 2707.66 |
| 3. अन्य चालू आस्तियां | 226.84 | 417.90 | 594.35 | 790.66 |
| कुल चालू आस्तियां | 13336.19 | 14727.80 | 23090.87 | 24396.93 |
| कुल आस्तियां | 46287.78 | 49169.40 | 57947.20 | 58987.88 |
| (ब) साम्या एवं दायित्व | | | | |
| (I) साम्या | | | | |
| 1. साम्या अंश पूंजी | 9358.82 | 9675.42 | 10067.95 | 10212.34 |
| 2. अन्य साम्या | (4792.80) | (4178.05) | (4107.80) | (4353.95) |
| कुल साम्या | 4566.02 | 5497.37 | 5960.15 | 5858.39 |
| (II) दायित्व | | | | |
| 1. गैर-चालू दायित्व | | | | |
| (i) वित्तीय दायित्व | | | | |
| – उधार राशियां | 32682.97 | 35173.90 | 40051.86 | 39890.48 |
| – अन्य वित्तीय दायित्व | 164.90 | 9.42 | 3.96 | 18.48 |
| (ii) प्रावधान | 100.80 | 113.12 | 124.63 | 129.19 |
| कुल गैर चालू दायित्व | 32948.66 | 35296.44 | 40180.46 | 40038.15 |
| 2. चालू दायित्व | | | | |
| (i) वित्तीय दायित्व | | | | |
| – उधार राशियां | 500.00 | 1071.33 | 1153.23 | 968.52 |
| – व्यापारिक देयतायें | 1996.47 | 868.59 | 2201.43 | 1999.41 |
| – अन्य वित्तीय दायित्व | 5367.49 | 5428.91 | 7263.37 | 8894.67 |
| (ii) अन्य चालू दायित्व | 18.24 | 18.09 | 67.91 | 39.69 |
| (iii) प्रावधान | 243.96 | 341.74 | 468.76 | 537.15 |
| कुल चालू दायित्व | 8126.16 | 7728.65 | 11154.69 | 12439.44 |
| आस्थगित राजस्व- मूल्य ह्रास के विरुद्ध प्राप्य अग्रिम | 646.94 | 646.94 | 651.90 | 651.90 |
| कुल साम्या एवं दायित्व | 46287.78 | 49169.40 | 57947.20 | 58987.88 |

उत्पादन निगम का लाभ/हानि विवरण

भारतीय लेखा मानकों की पालनार्थ कम्पनी के विगत वर्ष के राजस्व, व्यय एवं लाभ-हानि को समायोजित किया गया है। तदानुसार वित्तीय वर्ष 2017-18 (अंकेक्षित) तथा वर्ष 2018-19 (अंकेक्षित) एवं वर्ष 2019-20 (सितंबर, 2019 तक) (अनअंकेक्षित) के लेखों के आधार पर उत्पादन निगम की लाभ/हानि का विवरण निम्न प्रकार है-

| विवरण | 2017-18 (अंकेक्षित) | 2018-19 (अंकेक्षित) | (करोड रूपये) |
|---|------------------------|------------------------|--|
| | | | 2019-20 (सितम्बर 2019 तक) (अनअंकेक्षित) |
| राजस्व | | | |
| संचालन से राजस्व | 12784.11 | 14487.45 | 7499.39 |
| अन्य आय | 59.17 | 83.15 | 19.31 |
| कुल राजस्व | 12843.28 | 14570.60 | 7518.70 |
| व्यय | | | |
| ऊर्जा उत्पादन एवं अन्य प्रत्यक्ष व्यय | 7278.43 | 8738.20 | 4440.86 |
| मरम्मत एवं अनुरक्षण | 223.21 | 311.27 | 126.83 |
| कर्मचारी हित व्यय | 349.98 | 391.83 | 184.44 |
| वित्त लागतें | 2686.28 | 3098.23 | 2001.37 |
| ह्रास एवं परिशोधन व्यय | 1172.95 | 1319.31 | 779.00 |
| अन्य व्यय | 108.81 | 115.72 | 69.89 |
| कुल व्यय | 11819.67 | 13974.55 | 7602.39 |
| कर व अपवादात्मक मदों के पूर्व लाभ/(हानि) | 1023.61 | 596.04 | (83.69) |
| - अपवादात्मक मदें : | | | |
| हानि के लिए प्रावधान | (416.34) | (457.62) | (145.24) |
| कर पूर्व लाभ/(हानि) | 607.26 | 138.42 | (228.93) |
| कर व्यय | | | |
| - चालू कर | | | |
| - आस्थिगत कर | | | |
| सतत् परिचालन से अवधि के लिए लाभ (हानि) | 607.26 | 138.42 | (228.93) |

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

| | | | |
|---|---------|---------|----------|
| अवधि के लिए लाभ/हानि | 607.26 | 138.42 | (228.93) |
| अन्य व्यापक आय | | | |
| ए 1. मर्दे जो कि लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत नहीं किए जाएंगे | (59.99) | (89.64) | (49.30) |
| 2. उन मर्दों से संबंधित आयकर जो कि लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत नहीं किया जाएगा | | | |
| बी 1. मर्दे जो लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत किए जाएंगे | | | |
| 2. उन मर्दों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनःवर्गीकृत किया जाएगा | | | |
| अवधि के लिए कुल व्यापक आय (इसमें लाभ/(हानि) और अवधि के लिए अन्य व्यापक आय शामिल है) | 547.28 | 48.78 | (278.23) |
| अर्जन प्रति साम्या अंश (सतत् संचालन के लिए) | | | |
| (1) मूल | 0.64 | 0.14 | -0.23 |
| (2) मन्दित | 0.64 | 0.14 | -0.23 |

लाभ/हानि एवं अनुदान

राजस्थान ऊर्जा सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय पुर्नसंरचना योजना के अनुसार राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा उत्पादित विद्युत का विक्रय राजस्थान राज्य के तीनों वितरण निगमों को दिनांक 31.03.08 तक बिना लाभ-हानि के किया जा रहा था। बिना लाभ-हानि प्रणाली का अनुसरण संशोधित वित्तीय पुर्नसंरचना योजना के अनुसार मार्च, 2008 तक किया जाना निर्धारित था। तत्पश्चात वास्तविक लेखा आधारों पर किया जा रहा है। अंकेक्षित लेखों के अनुसार 31.03.2018 तक निगम का कुल संकलित घाटा 4431.59 करोड़ रूपये था जो कि मार्च 2019 तक घटकर 4382.81 करोड़ रूपये रह गया था जो कि सितंबर 2019 तक पुनः बढ़कर 4661.04 करोड़ रूपये हो गया है। वित्तीय वर्षवार **लाभ/हानि** का विवरण इस प्रकार है

(करोड़ रूपये)

| वित्तीय वर्ष | मार्च 2018 तक | 2018-19 के दौरान (+)लाभ/(-)हानि | 2019-20 के दौरान (सितम्बर 2019 तक) (+)लाभ/(-)हानि |
|----------------|---------------|------------------------------------|---|
| (+)लाभ/(-)हानि | (-) 4431.59 | (+) 48.78 | (-) 278.23 |

ऊर्जा दर

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के विनियम 2009 एवं 2014 के अनुसार राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को अपने विद्युतगृहों द्वारा विक्रय की गई विद्युत की दरों को विनियामक आयोग द्वारा निर्धारित करवाना होता है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा उत्पादित विद्युत का विक्रय राजस्थान राज्य के तीनों वितरण निगमों को दिनांक 31.03.08 तक बिना लाभ-हानि के किया जा रहा था। बिना लाभ-हानि प्रणाली का अनुसरण संशोधित वित्तीय पुनर्संरचना योजना के अनुसार मार्च 2008 तक किया जाना निर्धारित था। तत्पश्चात वास्तविक लेखा आधारों पर किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार वर्ष 2017-18 (अंकेक्षित), वर्ष 2018-19 (अंकेक्षित), एवं वर्ष 2019-20 (अनुमानित) में विद्युत उत्पादन निगम द्वारा विद्युत वितरण निगमों को प्रेषित विद्युत ऊर्जा की दर निम्न प्रकार है -

| विवरण | 2017-18 (अंकेक्षित) | 2018-19 (अंकेक्षित) | 2019-20 (दिसम्बर 2019 तक) (अनुमानित) |
|-------------------------------------|------------------------|------------------------|---|
| प्रेषित ऊर्जा की दर (पैसे/यूनिट) | 400 | 398 | 425.8 |

ऊर्जा मंत्रालय के शुल्क निर्धारण दिशा निर्देशों के अनुसार विद्युत उत्पादन निगम द्वारा अपने वर्तमान विद्युतगृहों की ऊर्जा दरों के निर्धारण हेतु राज्य विनियामक आयोग के समक्ष वर्ष 2020-21 के लिए शुल्क याचिका प्रस्तुत की जाएगी। वर्ष 2019-20 के लिए राज्य विनियामक आयोग द्वारा विभिन्न विद्युतगृहों की ऊर्जा विक्रय दरें निम्न प्रकार निर्धारित की गईं।

| क्र. सं. | विवरण | केएसटीपीएस | एसएसटीपीएस | आरजीटीपीएस (1 से 3) | माही | एमएमएच | |
|----------|------------------------------------|-----------------------|-------------------------|------------------------|--------------------|------------------|-------------------------------------|
| 1. | क्षमता (मे.वा.) | 1240 | 1500 | 270.5 | 140 | 23.8 | |
| 2. | स्थिर मूल्य (रूपये/यूनिट) | 0.612 | 0.824 | 1.186 | 3.426 | 4.16 | |
| 3. | परिवर्तनीय मूल्य (रूपये/यूनिट) | 3.10 | 3.598 | 2.799 | | | |
| क्र. सं. | विवरण | छबडा इकाई 1से 4 | छबडा इकाई 5 इकाई 6 | | गिरल इकाई 1 व 2 | धौलपुर टीपीएस | कालीसिंध टीपीएस इकाई 1 व 2 |
| 1. | क्षमता (मे.वा.) | 1000 | 660 | 660 | 250 | 330 | 600 600 |
| 2. | स्थिर मूल्य (रूपये/ यूनिट) | 1.476 | 1.964 | 1.563 | --- | 1.021 | 1.927 1.805 |
| 3. | परिवर्तनीय मूल्य (रूपये/ यूनिट) | 2.384 | 2.164 | 2.165 | --- | 6.34 | 2.709 2.709 |

स्त्रोतवार विद्युत उत्पादन एवं प्रेषण

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के स्वामित्व वाले तापीय एवं पन विद्युतगृहों से कुल ऊर्जा उत्पादन वर्ष 2018-19 में 31785.105 मिलियन यूनिट रहा। इसी प्रकार इन विद्युतगृहों से राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगमों को कुल ऊर्जा प्रेषण वर्ष 2018-19 में 28927.01 मिलियन यूनिट रहा।

स्त्रोतवार ऊर्जा उत्पादन/प्रेषण की स्थिति वर्षवार निम्नानुसार है-

ऊर्जा (मिलियन यूनिट)

| क्र. सं. | विवरण | ऊर्जा उत्पादन | | | ऊर्जा प्रेषण | | |
|----------|--|---------------|---------|---------------------------------|--------------|---------|---------------------------------|
| | | 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) |
| (क) | तापीय विद्युतगृह | | | | | | |
| 1. | कोटा तापीय विद्युतगृह इकाई 1-7 (1240 MW) | 7213.04 | 7920.96 | 5065.64 | 6406.06 | 7048.46 | 4459.24 |
| 2. | सूरतगढ तापीय विद्युतगृह इकाई 1-6 (1500 MW) | 4964.45 | 7168.98 | 3820.17 | 4462.84 | 6464.86 | 3438.60 |
| 3. | छबडा तापीय विद्युतगृह इकाई 1-4 (1000 MW) | 6251.55 | 7289.83 | 5312.94 | 5620.56 | 6597.88 | 4798.60 |
| 4. | छबडा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना इकाई 5-6 (1320 MW) | | 2714.18 | 4760.05 | | 2532.25 | 4437.58 |
| 5. | कालीसिंध तापीय विद्युतगृह इकाई 1-2(1200 MW) | 6691.18 | 5550.40 | 3911.48 | 6271.25 | 5205.48 | 3643.20 |
| 6. | धौलपुर गैस तापीय विद्युतगृह (330 MW) | 247.71 | 20.93 | 0 | 219.09 | 2.03 | --- |
| 7. | रामगढ गैस तापीय विद्युतगृह (273.5 MW) | 1449.13 | 998.05 | 554.81 | 1386.11 | 955.59 | 533.57 |

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

| | | | | | | | |
|-----|--|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| 8. | गिरल लिग्नाईट पावर लिमिटेड इकाई-1 व 2 (250 MW) | | | | | | |
| | उप योग (क) | 26817.07 | 31663.31 | 23425.09 | 24365.94 | 28806.55 | 21310.98 |
| (ख) | पन विद्युतगृह | | | | | | |
| 1. | 1. माही पन विद्युतगृह (140 MW) | 180.16 | 117.06 | 136.50 | 178.86 | 115.89 | 135.46 |
| 2. | 2. अन्य लघु पन विद्युतगृह (23.85 MW) | 11.29 | 4.73 | 2.57 | 11.10 | 4.57 | 2.46 |
| | उप योग (ख) | 191.45 | 121.79 | 139.07 | 189.96 | 120.46 | 137.92 |
| | सकल योग (क+ख) | 27008.52 | 31785.11 | 23564.16 | 24555.9 | 28927.01 | 21448.90 |

विद्युत उत्पादन निगम के कार्यरत सयंत्रों का कार्य निष्पादन

(क) कोटा सुपर तापीय विद्युत गृह (1240 मेगावाट)

कोटा सुपर तापीय गृह ने अपने श्रमिकों, कर्मचारियों, अभियन्ताओं और अधिकारियों की लगन, कठिन परिश्रम एवं उत्साह के परिणाम स्वरूप आरम्भ से ही उत्कृष्ट श्रेणी की उपलब्धियाँ अनेक बार अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर पर नकद पुरस्कार एवं शील्ड्स अर्जित की है। कोटा सुपर तापीय विद्युत गृह ने भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रदान किये जाने वाले सराहनीय कार्य निष्पादन पुरस्कार वर्ष 1984, 1987, 1989, 1991 तथा वर्ष 1992-93 से वर्ष 1999 तक निरन्तर प्राप्त किये हैं। वर्ष 2000-04 की समयावधि के दौरान उत्कृष्ट निष्पादन के लिये इस तापीय विद्युत गृह को भारत सरकार द्वारा गोल्ड शील्ड से पुरस्कृत किया जा चुका है। वर्ष 2014-15 में पर्यावरण संरक्षण के लिये Centre for Science and Environment Green Ratings द्वारा Green Leaf पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। वर्ष 2017-18 के लिए तापीय विद्युत गृह को ऊर्जा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा गोल्ड शील्ड से पुरस्कृत किया गया है।

वर्ष 2018-19 के लिए इस तापीय विद्युत गृह को ऊर्जा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में द्वितीय स्थान से पुरस्कृत किया गया है। Confederation of Indian Industry द्वारा भी ऊर्जा दक्षता के सन्दर्भ में इस तापीय विद्युत गृह को वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। इस विद्युत गृह से पाँच वर्ष में उत्पादित विद्युत मात्रा निम्न प्रकार रही है: -

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

| क्र. सं. | वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) | पी.एल.एफ (प्रतिशत) |
|----------|---------------------------------|------------------------|--------------------|
| 1. | 2015-16 | 7769.54 | 71.33 |
| 2. | 2016-17 | 7486.91 | 68.93 |
| 3. | 2017-18 | 7213.04 | 66.04 |
| 4. | 2018-19 | 7920.96 | 72.92 |
| 5. | 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 5065.64 | 61.90 |

वर्ष 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) में कोटा सुपर तापीय विद्युत गृह में कुल 5065.64 मिलियन युनिट विद्युत उत्पादन हुआ तथा पी.एल.एफ 61.90% रहा। उपरोक्त वर्ष के दौरान विद्युत भार प्रेषण (LD) केन्द्र द्वारा विद्युत ऊर्जा की उपलब्धता, उपभोग की तुलना में अधिक होने के कारण कोटा सुपर तापीय विद्युत गृह को कम क्षमता पर चलाने अथवा बन्द करने के कारण वर्ष 2019-20 (31 दिसम्बर 2019) तक 1952.30 मिलियन यूनिट का उत्पादन कम हो पाया है जो कि कुल विद्युत उत्पादन क्षमता का 23.86 प्रतिशत है।

परियोजना की ऊष्मा दर वर्ष 2018-19 में प्रति यूनिट 2614 किलो कैलोरी रही एव वर्ष 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) में 2584 किलो कैलोरी रही है वित्त वर्ष के अंत तक हम इसको 2562 किलो कैलोरी तक लाने हेतु प्रयासरत हैं। वर्ष 2018-19 में परियोजना की उपलब्धता 87.52 प्रतिशत थी वही वर्ष 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) में उपलब्धता 85.67 प्रतिशत रही है व इसी समयावधि में इकाई-6 का केपिटल रखरखाव भी किया गया है व प्लांट में कार्यरत अभियन्ताओं एवं कर्मचारियों की लगन, मेहनत एवं अथक प्रयासों से परियोजना में इस वर्ष ट्रिपिंग में भी कमी हुई है। पिछले वर्ष 2018-19 में 55 ट्रिपिंग की तुलना में इस वर्ष 38 ट्रिपिंग (31 दिसम्बर 2019 तक) रही है एवं Auxiliary power खपत में भी निरन्तर कमी लाने के प्रयास जारी है।

जनवरी 2018 से उपलब्धता आधारित टैरिफ (ABT) के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में विद्युत गृह द्वारा कोयले में बचत करते हुए रुपये 16.09 करोड़ का लाभ किया गया है। इसी के साथ वर्तमान में विद्युत गृह द्वारा कोयले में बचत करते हुए इसी वित्तीय वर्ष में नवम्बर 2019 तक लगभग रुपये 12 करोड़ का लाभ अर्जित किया जा चुका है।

विद्युत ऊर्जा का दक्षतापूर्वक उपयोग करने हेतु सहायक आवश्यकताओं के लिए ऊर्जा की खपत को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता के क्रम में, कोटा थर्मल संयंत्र और कॉलोनी परिसर में लगभग 4000 पारंपरिक उपकरणों को ऊर्जा कुशल प्रकाश उपकरणों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। परिणामस्वरूप परियोजना के विद्युत ऊर्जा खपत में लगभग 1 लाख यूनिट प्रति माह की बचत की गई जिससे 12 लाख यूनिट प्रति वर्ष की कमी आएगी एवं निगम कार्बन फुटप्रिंट को कम करके पर्यावरण की स्वच्छता अभियान में भी सहयोगी बनेगा। भविष्य में पर्यावरण की स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने के क्रम में परियोजना परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की भी योजना है।

पर्यावरण संरक्षण हेतु सजगता दिखाते हुए कोटा सुपर तापीय विद्युत गृह में थर्मल कॉलोनी एवं संयंत्र के कुल क्षेत्रफल का 40 प्रतिशत हरित क्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इस विद्युत गृह से निकलने वाली सूखी राख का शत प्रतिशत उपयोग सीमेन्ट फैक्ट्री तथा ईंटे बनाने के उद्योग व अन्य कार्यों में किया गया। विद्युतगृह से निकलने वाली राख के संग्रह

करने हेतु विभिन्न इकाईयों पर साइलो की स्थापना की जा चुकी है। इससे सूखी राख का निस्तारण सरकार द्वारा मानक दिशानिर्देशों के आधार पर सुगमता से किया जा रहा है।

नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यों के प्रावधानों के तहत थर्मल कॉलोनी परिसर में जनोपयोगी सुविधाओं हेतु योग केन्द्र का निर्माण किया गया व अन्य सामाजिक कार्यों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है।

(ख) सूरतगढ़ सुपर तापीय विद्युतगृह (1500 मेगावाट)

सूरतगढ़ सुपर तापीय विद्युतगृह में कुल 1500 मेगावाट क्षमता की छः इकाईयाँ (प्रत्येक 250 मेगावाट) संचालित है। इस विद्युतगृह के द्वारा विगत पांच वर्षों में उत्पादित विद्युत की मात्रा का विवरण निम्न प्रकार हैं—

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) | पी. एल. एफ. (प्रतिशत में) |
|----------------------------------|---------------------------|------------------------------|
| 2015-16 | 5902.98 | 44.00 |
| 2016-17 | 4474.71 | 34.05 |
| 2017-18 | 4964.45 | 37.78 |
| 2018-19 | 7168.98 | 54.56 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 3820.17 | 38.59 |

सूरतगढ़ सुपर तापीय विद्युतगृह में वर्ष 2018-19 में कुल 7168.98 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन रहा तथा पीएलएफ 54.56 प्रतिशत रहा। वर्ष 2019-20 में कुल 10936.08 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य अनुमानित है। उपरोक्त वर्षों के दौरान विद्युत भार प्रेषण (LD) केन्द्र द्वारा विद्युत गृह की इकाईयों को विद्युत ऊर्जा की मांग की कमी के कारण कम क्षमता पर चलाने अथवा बन्द करने के कारण 2018-19 एवं 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) क्रमशः 4867.182 एवं 4979.424 मिलियन यूनिट का उत्पादन कम हो पाया है जो कि कुल विद्युत उत्पादन का क्रमशः 37.04 एवं 50.30 प्रतिशत है।

किसी भी तापीय परियोजना की दक्षता का आकलन उस परियोजना की प्रति इकाई उत्पादन (Generation) की ऊष्मा दर (Heat Rate), ऑयल की खपत (sp. Oil Consumption) एवम् ऑक्सलरी खपत (Aux. Consumption) में की गयी बचत के आधार पर किया जाता है। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने इस वित्तीय वर्ष 2019-20 से उक्त मानकों में कुछ शिथिलता दी है, जैसे कि तापीय परियोजना में जिस ऊष्मा दर से कोयला प्राप्त हो रहा है उसमें 85 किलो कैलोरी की राहत प्रदान की गयी है। वहीं जहाँ गत वर्ष तक आयोग द्वारा तापीय परियोजना की ऑक्सलरी खपत 9% थी, इकाईयों में कोयला पीसने के लिए उपलब्ध मिल (Mill) ट्यूब प्रकार की होने के कारण ऑक्सलरी खपत में वृद्धि करते हुए इस वित्तीय वर्ष से 9.80% कर दिया गया है, जिससे परियोजना को प्लांट के निर्धारित मानकों को हासिल करने में आसानी रहेगी जिसके फलस्वरूप परियोजना लाभांश में भी वृद्धि होगी।

विद्युतगृह में कार्यरत अभियंताओ एवं तकनीकी कर्मचारियों की लगन एवम् मेहनत से लगातार तीसरे वित्तीय वर्ष 2018-19 में भी सूरतगढ़ तापीय विद्युतगृह ने उत्पादन निगम

की अन्य इकाईयों की तुलना में सर्वाधिक लाभ अर्जित किया, परिणामस्वरूप विद्युतगृह को वर्ष 2018 में गणतंत्र दिवस पर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के राज्य स्तरीय समारोह में उत्पादन निगम के विद्युतगृहों में सर्वश्रेष्ठ विद्युतगृह के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। परियोजना की ऊष्मा दर वर्ष 2018-19 में प्रति यूनिट 2475.87 किलो कैलोरी रही थी एवम् वर्ष 2019-20 में 31 दिसंबर 2019 तक नये टैरिफ नियमों के आधार पर 2526 किलो कैलोरी है जिसका प्रमुख कारण इस वर्ष कम विद्युत उत्पादन एवम् उपलब्ध कोयले की गुणवत्ता में कमी रहा है फिर भी हम वित्तीय वर्ष के अंत तक इसको राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निर्धारित मानक 2476.28 किलो कैलोरी तक लाने के लिए प्रयासरत है। वर्ष 2018-19 में परियोजना का उपलब्धता गुणांक 91.60 प्रतिशत था वहीं वर्ष 2019-20 में 31 दिसंबर 2019 तक उपलब्धता गुणांक 89.38 है, आशा है कि वित्तीय वर्ष के अंत तक हम इसको बनाए रखने में सफल रहेंगे। इस वित्तीय वर्ष में इकाई संख्या 1 को 15 अप्रैल 2019 से 26 मई 2019 लगभग 41.90 दिन के लिए जेनरेटर में आई तकनीकी खराबी (अर्थ फॉल्ट) को दूर करने के लिए एवम् इकाई संख्या 4 को 19 जून 2019 से 15 अगस्त 2019 तक एच पी स्टॉप वाल्व (HP Stop Valve) में आई तकनीकी खराबी के कारण लगभग 30 दिन बंद की गयी थी जिसका उपयोग परियोजना प्रशासन ने इकाई को वार्षिक अनुरक्षण में घोषित कर अन्य उपकरणों के मुख्य रख रखाव में भी उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त इकाई संख्या 2 एवम् 5 के बायलर का आर एल ए टेस्ट (Remanant Life Assesment Test) करवाया गया है।

वर्ष 2019-20 में जयपुर मुख्यालय में ट्रेनिंग विभाग द्वारा अभियंताओं को परियोजना के बेहतर परिचालन एवम् संधारण के लिए प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय तापीय प्रशिक्षण संस्थान, फरीदाबाद (NPTI), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (BHEL), त्रिची (Tirchy) एवम् सी.बी.आई.पी., नई दिल्ली (CBIP, New Delhi) को अधिकृत किया गया है, जिसके माध्यम से तापीय परियोजना में दिसंबर माह के अंत तक लगभग 50 से 70 अभियंता लाभान्वित हो चुके हैं। विद्युतगृह के बेहतर परिचालन एवम् संधारण के लिए मुख्य अभियंता द्वारा दैनिक, साप्ताहिक एवम् हर महीने परियोजना के परिचालन के मानकों की समीक्षा कर उन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हर महीने के अंत में प्लांट मानकों की समीक्षा कर उस माह की परियोजना का लागत लाभ विश्लेषण कर, अगर परियोजना की इकाईयों में किसी सुधार की आवश्यकता है तो सुधार के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

जनवरी 2018 से परियोजना में उपलब्धता आधारित टैरिफ लागू किया जा चुका है जिसके तहत ऑपरेशन विभाग एवम् वाणिज्य विभाग के अभियंताओं के आपसी सहयोग से वर्तमान में तापीय परियोजना में कोयले में बचत करते हुए इस वित्तीय वर्ष में नवंबर 2019 तक लगभग 15.83 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया जा चुका है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 में जहाँ कुल 12.14 करोड़ की राख सीमेंट कंपनियों को बेच कर राजस्व अर्जित किया गया, वहीं वर्ष 2019-20 में दिसंबर माह के अंत तक लगभग 8.13 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त सूरतगढ़ थर्मल के अन्तर्गत इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के साथ सात लघु पन विद्युत परियोजनाएं अनूपगढ़ पॉवरहाउस से विद्युत उत्पादन जारी है। उपरोक्त लघु पन विद्युत परियोजनाओं का सुचारू परिचालन एवं संधारण कर सिंचाई के समय नहर में पानी की उपलब्धता के आधार पर अधिकतम विद्युत उत्पादन किया जा रहा है तथा वर्ष

2019-20 में इन लघु पन इकाईयों से माह दिसंबर-2019 तक 6.541 लाख यूनिट का विद्युत उत्पादन किया गया।

पर्यावरण संरक्षण :-

इसके अतिरिक्त पर्यावरण के क्षेत्र में तापीय परियोजना में निम्न कार्य वर्ष 2019-20 में 31 दिसंबर 2019 तक किये गये है।

- खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम(Hazardous waste management rule,2008) के तहत प्रवाह उपचार संयंत्र (ETP) के द्वारा सफलतापूर्वक खतरनाक रासायनिक अपशिष्ट का निस्तारण किया जा रहा है और जानकारी राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RPCB) को निरंतर उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रवाह उपचार संयंत्र (ETP) के आने वाले सभी मापदंड राजस्थान प्रदूषण मंडल (RPCB) द्वारा निर्धारित मापदंडों के अंदर ही है।
- जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए परियोजना में काम आने वाले पानी को पुनः चक्रीकरण किया जा रहा है जिससे पानी के प्रदूषण में कमी के साथ साथ उपयोग में भी कमी की जा रही है।
- व्यापक वायु (Ambient Air) की नियमित निगरानी परियोजना परिसर एवम् परियोजना की 20 किलोमीटर परिधि में की जा रही है।
- आमजन की सुविधा के लिए परियोजना के मुख्य द्वार पर विद्युतगृह की चिमनियों और वातावरणीय प्रदूषण से रिसने वाली गैसों एवं निकलने वाले जल आदि के परिमाण/मात्रा को आधुनिकतम सूचना पट्ट पर प्रदर्शित किया जा रहा है।
- जल एवं वायु प्रदूषण के आँकड़े सीधे ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण मंडल के कार्यालय में प्रेषित किए जा रहे है।
- परियोजना के आवासीय क्षेत्र में स्थित सीवरेज संयंत्र के पानी का उद्यानों में उपयोग कर जल की बचत की जा रही है। कार्बनिक अपशिष्ट को शीघ्र विघटित कर जैविक खाद तैयार करने का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसकी पहली कड़ी में औद्योगिक सुरक्षाबल के भोजनालय के अपशिष्ट को भारत सरकार के जैविक खेती केन्द्र द्वारा विकसित बायो डिकम्पोजर का उपयोग कर केवल 30 दिनों के अल्प समय में उत्कृष्ट गुणवत्ता की जैविक खाद तैयार की गयी है।
- परियोजना में उपलब्ध सभी जैविक अपशिष्ट को शीघ्र विघटित कर जैविक खाद बनाने का कार्य प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इस खाद का उपयोग परियोजना में लगे वृक्षों में किया जाएगा।
- परियोजना में विभिन्न स्थानों पर लगे पेड़ों को बूंद बूंद सिचाई पद्धति से पानी देना प्रस्तावित है, जिससे जल की बचत की जा सके।
- परियोजना के आवासीय क्षेत्र में खुले नालों को बंद पाइप वाली नालियों से बदलना प्रस्तावित है। ताकि मच्छरों व अन्य बीमारियों से मुक्त स्वच्छ वातावरण प्रदान किया जा सके।
- सहजन के वृक्षों की पौध विकसित कर परियोजना क्षेत्र व निकटवर्ती गाँवों में वितरण करना प्रस्तावित है। जिससे लोगों को अपने घर में ही विटामिनो व एमिनो एसिड से भरपूर खाद्य सामग्री मिल सके।

स्वच्छता अभियान:- माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता अभियान के तहत कॉलोनी एवम् प्लांट परिसर को पूर्णतः स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। पिछले कई वर्षों से लंबित मॉग रायावाली से थर्मल परियोजना तक सड़क निर्माण का कार्य परियोजना के सिविल विभाग द्वारा पूर्ण कर दिया गया है, इसके परिणामस्वरूप हम सभी को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी एवं दुर्घटनाओं में कमी आएगी। कॉलोनी परिसर में भी क्षतिग्रस्त सड़को का निर्माण किया जा चुका है एवं शेष को भी शीघ्र ही दुरुस्त करवा दिया जाएगा। बसों से संबंधित समस्या के निराकरण हेतु निगम द्वारा स्वयं की दो बसें खरीदी गई हैं जिससे हम सभी को आवागमन की सुविधा मिलेगी। कॉलोनी परिसर में बनाए जा रहे नये हॉस्टल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने को है, और शीघ्र ही अगले महीने तक इन हॉस्टल का निर्माण कार्य पूर्ण कर आवश्यकतानुसार इच्छुक अधिकारी एवं कर्मचारियों को आवंटित कर दिए जाएंगे जिससे कॉलोनी में आवासों की कमी से काफी हद तक राहत मिलना अपेक्षित है।

(ग) छबड़ा सुपर तापीय विद्युत गृह (1000 मेगावाट)

इस विद्युत गृह की प्रथम इकाई को दिनांक 11.10.2009 को पूर्ण क्षमता पर कमीशन कर दिया गया था। इस इकाई से 11.06.2010 से वाणिज्यिक उत्पादन जारी है। दूसरी इकाई को 4 मई 2010 को कमीशन किया जाकर 15.10.2011 से वाणिज्यिक उत्पादन जारी है तथा तीसरी इकाई को भी 09.09.2013 को कमीशन किया जाकर 19.12.2013 से वाणिज्यिक उत्पादन जारी है। चौथी इकाई को भी 30.06.2014 को कमीशन किया जाकर 30.12.2014 से वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ किया जा चुका है। इस विद्युतगृह से पिछले पांच वर्षों के विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है -

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) | पी.एल.एफ.(%) |
|-----------------------------------|------------------------|--------------|
| 2015-16 | 4473.89 | 50.93 |
| 2016-17 | 6825.04 | 77.91 |
| 2017-18 | 6251.55 | 71.36 |
| 2018-19 | 7289.83 | 83.22 |
| 2019-2020 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 5312.94 | 80.50 |

इस विद्युतगृह से वर्ष 2018-19 में कुल 7289.83 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ।

(घ) छबड़ा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना (1320 मेगावाट)

छबड़ा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना में कोयला आधारित दो इकाईयाँ (प्रत्येक 660 मेगावाट) की स्थापित है। निगम द्वारा राज्य क्षेत्र में प्रथम सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित परियोजना की इकाई 5 एवं 6 को क्रमशः दिनांक 04.04.2017 एवं 01.12.2018 को कमीशन कर क्रमशः दिनांक 09.08.2018 एवं दिनांक 02.04.2019 से सतत वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ किया जा चुका है। गौरतलब है कि उक्त सुपरक्रिटिकल परियोजनाओं के लिए निगम द्वारा मैसर्स एल एण्ड टी को दिनांक 28.03.2013 को कार्यादेश दिया गया था। सीमित अवधि (42 माह) के रिकॉर्ड न्यूनतम समय में इकाई 5 को सफलता

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

पूर्वक सिन्क्रोनाइज किया जाना एक उपलब्धि रही है। इकाई 5 का दिनांक 19.10.18 से 03.12.18 तक अनवरत 45 दिन चलना एक रिकॉर्ड उल्लेखनीय उपलब्धि रही है। राज्य सरकार द्वारा छबड़ा थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट में दो सुपरक्रिटिकल इकाईयों हेतु दिनांक 02.03.2009 को स्वीकृति प्रदान की गई थी। दोनों इकाईयों के निर्माण पर कुल संशोधित राशि 9550.27 करोड़ की संभावित लागत आएगी एवं 31 दिसम्बर, 2019 तक कुल 9333.11 करोड़ रु. खर्च किये जा चुके हैं।

पूर्ण क्षमता से संचालित होने पर दोनों इकाईयों से प्रतिदिन 3.168 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादित करेगी। इस विद्युतगृह से पिछले दो वर्षों के विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है –

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) | पी.एल.एफ. (%) |
|---------------------------------|------------------------|---------------|
| 2018-19 | 2714.181 | 72.91 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 4760.05 | 54.74 |

इस विद्युतगृह से वर्ष 2018-19 में कुल 2714.181 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ।

(ड) कालीसिंध तापीय विद्युत परियोजना (1200 मेगावाट)

कालीसिंध तापीय विद्युत परियोजना में कोयला आधारित दो इकाईयाँ (प्रत्येक 600 मेगावाट) की स्थापित है। इस परियोजना की दोनों इकाईयाँ मैसर्स डोंगफेंग, चीन द्वारा निर्मित सबक्रिटिकल तकनीक पर आधारित है। इस परियोजना के लिये पानी की व्यवस्था कालीसिंध बाँध से की गई है, जिसका निर्माण कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा जमा मद की राशि पर किया गया है। इस परियोजना की दोनों इकाईयों के परिचालन हेतु प्रतिदिन 15000 टन (लगभग) कोयले की आवश्यकता होती है जिसकी आपूर्ति राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित कोल ब्लॉक "परसा ईस्ट कॉटे बेसिन" (छत्तीसगढ़) से हो रही है। इस कोयले का परिवहन रेल मार्ग द्वारा किया जा रहा है।

इस विद्युतगृह से विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है :-

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) |
|---------------------------------|------------------------|
| 2014-15 | 1147.39 |
| 2015-16 | 5921.20 |
| 2016-17 | 5944.12 |
| 2017-18 | 6691.18 |
| 2018-19 | 5550.40 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 3911.48 |

वर्ष 2019-20 में 4 अप्रैल 2019 से 5 जून 2019 तक एवं 21 जुलाई 2019 से 13 अक्टूबर 2019 तक में इस विद्युतगृह की द्वितीय इकाई के जनरेटर में तकनीकी खराबी के कारण

इकाई बन्द रही जिससे विद्युतगृह का इस वर्ष का उत्पादन कम रहा। इस इकाई की मरम्मत का कार्य मैसर्स बी.एच.ई.एल. द्वारा एवं मैसर्स जी.ई.पावर इंडिया लि. द्वारा किया गया एवं 14 अक्टूबर 2019 से पुनः उत्पादन शुरू हो गया है।

(च) रामगढ गैस तापीय विद्युतगृह (273.5 मेगावाट)

इस विद्युतगृह के प्रथम चरण में 35.5 मेगावाट क्षमता की गैस टरबाईन इकाई तथा द्वितीय चरण में 37.5 मेगावाट क्षमता की गैस टरबाईन इकाई व 37.5 मेगावाट क्षमता की स्कीम टरबाईन इकाई सीपित है। इस विद्युतगृह में 3 मेगावाट क्षमता की एक गैस टरबाईन और सीपित है जो कि निष्क्रिय है। इस परियोजना के तृतीय चरण के अन्तर्गत 110 मेगावाट क्षमता की गैस टरबाईन को 20.03.2013 को कमीशन कर 06.12.2013 से वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ किया गया है तथा 50 मेगावाट क्षमता की स्कीम टरबाईन को 01.05.2014 को कमीशन कर 07.06.2014 से वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ किया गया है। इसे मिलाकर विद्युतगृह की कुल क्षमता 273.5 मेगावाट है।

इस विद्युतगृह से पिछले पांच वर्षों के विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है –

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) |
|----------------------------------|------------------------|
| 2015–16 | 1522.57 |
| 2016–17 | 1426.75 |
| 2017–18 | 1449.13 |
| 2018–19 | 998.05 |
| 2019–20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 554.81 |

पूर्व में उपलब्ध गैस से केवल एक गैस टरबाईन ही चलाना संभव था लेकिन गेल द्वारा गैस की आपूर्ति बढ़ाने से विद्युत उत्पादन में वृद्धि हुई है। गैस की पर्याप्त उपलब्धता होने से विद्युतगृह की तीनों इकाइयों से उत्पादन किया गया है। वर्ष 2018–19 में इस विद्युतगृह द्वारा कुल 998.054 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ। वर्तमान में गैस की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने के कारण वर्ष 2019–20 (31 दिसम्बर, 2019 तक) में विद्युतगृह द्वारा 554.81 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ है।

(छ) धौलपुर कम्बाइन्ड साइकिल तापीय विद्युत गृह

धौलपुर में 330 मेगावाट कम्बाइन्ड साइकिल गैस आधारित विद्युतगृह की तीनों इकाइयों में वाणिज्यिक उत्पादन 01.03.2008 से जारी है। विद्युतगृह ने राज्य स्तर के गैस आधारित विद्युतगृहों की राष्ट्रीय सूची में वर्ष 2008–09 व वर्ष 2009–10 में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा इस विद्युतगृह को दिनांक 14.12.2014 व 14.12.2015 को ऊर्जा संरक्षण के लिए पुरस्कृत किया गया। इस परियोजना द्वारा डी.एम. (DM) वाटर के उपभोग में कमी करते हुए 200 मिलियन टन से घटाकर 120 मिलियन टन किया गया। इस विद्युतगृह से पिछले पांच वर्षों के विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है –

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) |
|-----------------------------------|------------------------|
| 2015-16 | 330.026 |
| 2016-17 | 124.853 |
| 2017-18 | 247.71 |
| 2018-19 | 20.93 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर, 2019 तक) | 0.00 |

वर्ष 2012-13 से गैस आपूर्ति में कमी के कारण विद्युत उत्पादन में भी निरंतर कमी आयी है तथा वर्ष 2018-19 में भी गैस आपूर्ति में कमी एवं उच्च विद्युत उत्पादन दर के कारण इस विद्युतगृह द्वारा 0.72% पी.एल.एफ. अर्जित कर कुल 20.93 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ।

(ज) माही पन विद्युतगृह (140 मेगावाट)

बांसवाड़ा जिले में माही बांध पर एक विद्युत गृह 2X25 मेगावाट का एवम् दूसरा विद्युत गृह 2X45 मेगावाट का बागीदौरा तहसील में स्थापित है जिनकी कुल स्थापित क्षमता 140 मेगावाट है। इन विद्युतगृहों का उत्पादन नहर में पानी के प्रवाह पर निर्भर करता है। विद्युतगृहों से पिछले पांच वर्षों का विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार से है :-

| वर्ष | उत्पादन (मि.यू.) |
|----------------------------------|------------------|
| 2015-16 | 168.39 |
| 2016-17 | 209.66 |
| 2017-18 | 180.16 |
| 2018-19 | 117.06 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 136.50 |

(झ) लघु पन विद्युतगृह (23.85 मेगावाट)

राज्य में विभिन्न स्थानों पर कुल 10 लघु पन विद्युतगृह स्थापित हैं जिनकी स्थापित क्षमता 23.85 मेगावाट है। इन विद्युतगृहों का उत्पादन नहर में पानी के प्रवाह पर निर्भर करता है। इन विद्युतगृहों से पिछले पांच वर्षों का विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार से है :-

| वर्ष | उत्पादन (मि.यू.) |
|----------------------------------|------------------|
| 2015-16 | 6.74 |
| 2016-17 | 8.69 |
| 2017-18 | 11.29 |
| 2018-19 | 4.73 |
| 2019-20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | 2.574 |

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की अनुषंगी कम्पनी

गिरल लिग्नाइट पॉवर लिमिटेड (250 मेगावाट)

गिरल लिग्नाइट पावर लिमिटेड में वर्तमान में 2X125 मेगावाट क्षमता की दो इकाईयाँ स्थापित हैं जिसकी प्रथम इकाई से दिनांक 18.10.2011 एवं द्वितीय इकाई से दिनांक 12.03.2011 से वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ किया गया था। परियोजना के लिए लिग्नाइट कोयले की आपूर्ति अनुबन्ध गिरल खनन परियोजना से है जिससे निकलने वाली लिग्नाइट में सल्फर की मात्रा अधिक होने के कारण दोनों इकाईयों में तकनीकी रूप से विद्युत उत्पादन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है जिससे उत्पादन क्षमता भी प्रभावित हुई है।

निगम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गिरल लिग्नाइट पॉवर लिमिटेड की दोनों इकाईयों की परिचालन सम्बन्धी परेशानियों एवं भारी वित्तीय हानि को देखते हुये निगम के निदेशक मण्डल द्वारा गिरल लिग्नाइट पॉवर लिमिटेड का सामरिक बेचान के तहत विनिवेश करने का निर्णय लिया गया है। गि.लि.पॉ.लि. के सामरिक बेचान हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति की बैठक दिनांक 29.04.2016 में निर्णय लिया गया कि GLPL के विनिवेश हेतु खुली प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया द्वारा वर्तमान में उपलब्ध फ्यूल लिंकेज के साथ as-is-basis पर विनिवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की जावे। इस विद्युतगृह के विनिवेश हेतु राज्य सरकार के मंत्रीमंडल द्वारा दिनांक 14.09.2016 को सहमति प्रदान की गई है, जिस पर आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विद्युतगृह की इकाईयों के पुनः संचालन करने के प्रयास भी विचारणार्थ है।

इस विद्युतगृह से पिछले सात वर्षों के विद्युत उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है –

| वर्ष | उत्पादन (मिलियन यूनिट) |
|----------------------------------|------------------------|
| 2013–14 | 378.19 |
| 2014–15 | 357.05 |
| 2015–16 | 239.32 |
| 2016–17 | — |
| 2017–18 | — |
| 2018–19 | — |
| 2019–20 (31 दिसम्बर 2019 तक) | — |

वर्ष 2015–16 में दोनो इकाईयों से कुल 239.32 मिलियन यूनिट उत्पादन किया गया।

विद्युत उत्पादन निगम की निर्माणाधीन विद्युत परियोजनायें

वर्तमान में सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित राज्य क्षेत्र की सूरतगढ़ सुपरक्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना (2x660 मेगावाट) क्षमता का निर्माण त्वरित गति से किया जा रहा है जिसका प्रगति विवरण निम्नानुसार है :-

1. 2X 660 मेगावाट सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना (इकाई-7 व 8)-

❖ इकाई - 7 (निर्माणाधीन)

सूरतगढ़ सुपरक्रिटिकल इकाई 7 के मुख्य निर्माण कार्य जैसे बॉयलर टर्बो जनरेटर आदि पूर्ण हो चुके हैं। इस इकाई की स्टीम ब्लोइंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। टरबाइन बारिंग गियर सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। इस इकाई को दिनांक 18.12.2018 को कोल पर सिंक्रोनाइज किया जा चुका है। इस इकाई को दिनांक 30.03.19 को पूर्ण क्षमता पर चलाया जा चुका है। वर्तमान में प्रायोगिक परिचालन का कार्य चल रहा है तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 में वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ किया जाना संभावित है।

❖ इकाई - 8 (निर्माणाधीन)

इकाई 8 के मुख्य निर्माण कार्य जैसे बॉयलर का लगभग 97.16 प्रतिशत, टर्बो जनरेटर का लगभग 89.38 प्रतिशत, कूलिंग टॉवर का 94.16 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इकाई 8 का हाइड्रोलिक टेस्ट दिनांक 15.03.16 को सफलतापूर्वक किया जा चुका है तथा रासायनिक सफाई (Chemical Cleaning) का कार्य पूर्ण हो चुका है और बॉयलर लाईट-अप 28.09.2017 को किया जा चुका है। इस इकाई की स्टीम ब्लोइंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। दोनों इकाईयों के लिए निर्मित चिमनी का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस इकाई से भी वित्तीय वर्ष 2019-20 में वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। दोनों इकाईयों के निर्माण के लिए सरकार द्वारा संशोधित परियोजना लागत 8966.46 करोड़ स्वीकृत की गई है।

2. 160 मेगावाट रामगढ़ गैस विस्तार परियोजना चतुर्थ चरण-

राज्य सरकार द्वारा 160 मेगावाट के चतुर्थ चरण (110 मेगावाट ओपन साइकिल एवं 50 मेगावाट क्लोज साइकिल) की परियोजना की स्वीकृति 24 जून, 2010 को प्रदान की।

- परियोजना के लिये मैसर्स फोकस एनर्जी के गैस फील्ड से गैस की आपूर्ति हेतु गेल ने सहमति प्रदान की है।
- राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा 08 नवम्बर 2012 को पर्यावरण स्वीकृति जारी की थी।
- मैसर्स भारत हैवी इलेक्ट्रीकल लिमिटेड को मुख्य संयंत्रों की आपूर्ति एवं स्थापना के लिए कार्यादेश 11 सितम्बर, 2012 को जारी किया गया। मैसर्स टैक्प्रो सिस्टम्स लि. को बैलेन्स आफ प्लान्ट के कार्य का कार्यादेश 13 अक्टूबर, 2012 को जारी किया गया।
- परियोजना के इस चरण की इकाईयों की स्थापना के लिये BHEL द्वारा करीब 160 करोड़ की निर्माण सामग्री की आपूर्ति कर दी गई थी।

इस परियोजना हेतु प्रस्तावित गैस मूल्य का अनुमोदन राज्य सरकार के निर्देशानुसार निगम के निदेशक मण्डल द्वारा ऊर्जा विकास निगम की अनुशंषा के आधार पर लिया जाना है जो की लम्बित है। अतः गैस मूल्य निर्धारण के पश्चात ही परियोजना निर्माण कार्य के बारे में निर्णय लिया जा सकेगा।

नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के तहत संचालित कार्य

राजस्थान सरकार द्वारा 20.05.2011 को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की सामाजिक उत्तरदायित्व नीति स्वीकृत की गई थी। इस योजना के अंतर्गत विद्युतगृहों द्वारा आस पास के क्षेत्रों के लिए जन कल्याणकारी कार्य किये जा चुके/प्रस्तावित हैं।

(क) संचालित विद्युतगृहों द्वारा कराये गये/प्रस्तावित कार्य

1.सूरतगढ सुपर तापीय विद्युतगृह

सूरतगढ थर्मल में जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान सरकार द्वारा 20.06.2011 को सामाजिक उत्तरदायित्व नीति स्वीकृत की गई। इस योजना के अंतर्गत विद्युतगृह द्वारा आस पास के गाँवों के लिए जन कल्याणकारी कार्य किये जाने प्रस्तावित है एवं इस वर्ष 2019-20 में अनुमानित लागत 56.92 लाख रुपये प्रस्तावित/निर्धारित है। दिनांक 06.12.2019 को एसटीपीएस की परि. एवं संधा. की सीएसआर की बैठक श्रीमान जिलाधीश, श्रीगंगानगर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसकी अनुपालना में निम्न कार्य संपादित किये जाने वास्ते प्रस्तावित हैं : -

- एसटीपीएस द्वारा थर्मल नजदीक स्थित करीबन 13 गाँवों {रायवाली, प्रभातनगर, फरीदसर, सोमासर, भोजेवाला, ठुकराना, ऐटा, करडु, 3/4 एसएमआर, कान्नौर, भोजूसर, कालूसर, गुसाईसर, 85 आरडी बी, रत्तासर, लखूवाली हैड, बीरमाना, बछरारा} के 400 से अधिक स्कूली बच्चों को थर्मल केन्द्रीय विद्यालय तथा थर्मल डीएवी विद्यालय में पढ़ने वास्ते निःशुल्क परिवहन व्यवस्था।
- थर्मल प्रभावित गाँवों में स्थित राजकीय विद्यालयों/आंगनबाड़ी केन्द्रों में अति आवश्यकतानुसार, भौतिक सत्यापन के बाद, उनको फर्नीचर, बच्चों को यूनिफॉर्म, बैग्स, लाइब्रेरी बुक्स तथा खेलकूद का सामान इत्यादि देने पर सहमति दी गई।

इस नीति के क्रियान्वयन से निगम की थर्मल से प्रभावित क्षेत्रों और लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में अपेक्षित सहयोग मिला है। पर्यावरण संरक्षण हेतु सजगता दिखाते हुए सूरतगढ थर्मल पावर स्टेशन में वर्ष 2019-20 में कुल 10000 पौधे रोपित किये गये हैं तथा थर्मल कॉलोनी एवं संयंत्र के कुल क्षेत्रफल का 39.19 प्रतिशत हरित क्षेत्र बना दिया गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पर्यावरण संरक्षण हेतु परियोजना एवं आवासीय कॉलोनी क्षेत्र के एक तिहाई क्षेत्र में हरित पट्टी की स्थापना एवं वृक्षारोपण किया गया है। इस संदर्भ में खेजड़ी, रोहड़ा, किकर, बेर, केर, नीम, पीपल, शीशम कें वृक्ष हर साल लगाये जाते हैं। साथ ही संयंत्र से निकलने वाली राख, निस्तारण हेतु सीमेंट कम्पनियों को एवं अन्य उपभोक्ताओं को साइलों के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही है तथा राख का परिवहन पूर्णतया बंद वाहनों द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और वातावरण को शुद्ध करने के लिए परियोजना से निरंतर वृक्षारोपण किया जाता रहा है।

2.कालीसिंध तापीय विद्युत परियोजना

कालीसिंध तापीय विद्युत परियोजना के नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के तहत कुल रूपये 24.00 करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए हैं जिनको विभिन्न विभागों/एजेन्सियों के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है ।

सी.एस.आर. स्कीम के अन्तर्गत कालीसिंध थर्मल के निकटवर्ती क्षेत्र में निम्नलिखित मुख्य जनोपयोगी/जनकल्याणकारी कार्य संपादित किये जा रहे हैं/हो चुके हैं –

- सी.सी.रोड़ मय नाली व लिंक रोड़ (बी.टी. रोड़) का निर्माण कार्य ।
- थर्मल प्रभावित गाँवों जैसे (1) मोतीपुरा (2) देवरी (3) निमोदा (4) करमाखेड़ी (5) उण्डल और (6) खानपुरिया में पीने के पानी की आपूर्ति का कार्य ।
- झालावाड़ जिले में “उत्कर्ष” परियोजना के क्रियान्वयन हेतु ।
- विद्यालय में लडकों व लडकियों के लिए अलग-अलग सुविधाओं का निर्माण कार्य ।
- कालीसिंध थर्मल पावर प्रोजेक्ट द्वारा झालरापाटन से पिपलिया तक मेगा हाईवे पर 3200 नग पौधों का रोपण मय उचित रखरखाव का कार्य ।
- राजस्थान सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट “जल स्वावलम्बन अभियान” में सहभागिता ।
- खेल संकुल, झालावाड़ में दो सिंथेटिक टेनिस कोर्ट मय प्रकाश व बैठक व्यवस्था का निर्माण कार्य एवं एक खो-खो कोर्ट और मौजूदा तीन बेडमिंटन कोर्ट की फर्श को सिंथेटिक फर्श से प्रतिस्थापन मय मरम्मत व प्रकाश व्यवस्था का कार्य ।

इस नीति के अन्तर्गत दिनांक 31 दिसम्बर 2019 तक रूपये 23.54 करोड़ उपयोग हेतु वितरित किये जा चुके हैं ।

(ख) सुपर क्रिटिकल विद्युत परियोजनायें

सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के अंतर्गत पूर्ण/निर्माणाधीन सुपर क्रिटिकल विद्युत परियोजनाओं पर निर्माण समय के दौरान प्रत्येक परियोजना हेतु 33 करोड़ रूपये के कार्य परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों के सामुदायिक विकास के लिये किये जा चुके/प्रस्तावित हैं ।

1.छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट, छबड़ा (इकाई 5 व 6)

छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट, छबड़ा द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के तहत निम्नलिखित कार्यों का क्रियान्वयन किया गया है ।

- सार्वजनिक निर्माण विभाग छबड़ा द्वारा ग्राम तीतरखेड़ी, भटखेड़ी, मवासाव्यास, अरन्यापार व कराडियापार में 138.56 लाख रूपये की लागत से सीमेंट कंकरीट सड़क मय नालियों के निर्माण कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं ।
- जल संसाधन विभाग, छबड़ा द्वारा बैथली सिंचाई परियोजना की बाई मुख्य नहर की चैनेज संख्या 11, 24 एवं 37 पर स्थापित एक्वाडक्ट पर ट्रांजिक्शन वाल का 10.20 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं ।

प्रगति प्रतिवेदन 2019-2020

- मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के प्रथम चरण हेतु आवंटित विभिन्न कार्यों के लिए 49.21 लाख रुपये का सहयोग।
- मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के द्वितीय चरण हेतु 2.0 करोड़ रुपये का सहयोग।
- पंचायत समिति, छीपाबडौद की 30 ग्राम पंचायतों के लिये अनुमानित लागत 300.00 लाख व छबड़ा की 27 ग्राम पंचायतों के लिये 269.56 लाख रुपये जन प्रतिनिधियों की मांग अनुसार सीसी रोड (फुटपाथ)/सामुदायिक भवन निर्माण के कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है।
- सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड छबड़ा द्वारा 150 लाख रुपये की लागत से घट्टी फाटक से अमीनपुर सम्पर्क सड़क का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है।
- सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड छबड़ा द्वारा 155 लाख रुपये की लागत से जैपला में पुलिया का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। नगरपरिषद, बाराँ के 25 वार्डों में इंटरलॉकिंग का कार्य अनुमानित लागत 250 लाख रुपये एवं नगरपालिका, छबड़ा के 25 वार्डों में इंटरलॉकिंग का कार्य अनुमानित लागत 252 लाख रुपये जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, छबड़ा एवं बाराँ द्वारा प्रगतिरत है।
- उच्चावद से छत्रपुरा सम्पर्क सड़क का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 140 लाख रुपये)
- सम्पर्क सड़क कोटड़ी बाया कडैयावन पर पुलिया का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 30 लाख रुपये)
- ग्राम कोटरापार में गौरवपथ इंटरलॉकिंग का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 72 लाख रुपये)
- सारथल से काकोनी सम्पर्क सड़क का सुदृढीकरण का कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 65 लाख रुपये)
- आडीगडार से पछाड सम्पर्क सड़क का सुदृढीकरण का कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 40 लाख रुपये)।
- ग्राम गुगौर, कोटडापार, ढोलम, पाली, हरनावदाशाहजी, अन्ताना एवं बाँकेबिहारी चौराहा (मोतीपुरा चौकी) में सुलभ शौचालयों का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 42 लाख रुपये)।
- छबड़ा में छः मूत्रालयों का निर्माण कार्य अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा प्रगतिरत है। (लागत 12लाख रुपये)।
- बाराँ जिले के 7 ब्लॉक (बाराँ के 5,अन्ता के 13, अटरू के 8, छबड़ा के 8, छीपाबडौद के 10, किशनगंज के 4 व शाहबाद के 6) के कुल 54 विद्यालयों में शौचालय निर्माण कार्य लागत 1,08,00,000/- से प्रस्तावित है।
- बाराँ जिले के 7 ब्लॉक (बाराँ के 4, अन्ता के 8, अटरू के 3, छबड़ा के 3, छीपाबडौद के 5, किशनगंज के 4 व शाहबाद के 4) के कुल 31 विद्यालयों में पेयजल मय फिल्टर लागत 10,85,000 रुपये से स्थापित किया जाना अनुमोदित है।

- बारां जिले के 7 ब्लॉक (बारां के 5, अन्ता के 8, अटरू के 3, छबड़ा के 3, छीपाबडौद के 5, किशनगंज के 5, शाहबाद के 4) के 33 विद्यालयों में वेन्डिंग मशीन का 11,55,000/- रुपये से स्थापित किया जाना अनुमोदित है।
- बारां जिले के 7 ब्लॉक (बारां के 1, अन्ता के 5, अटरू के 7, छबड़ा के 19, छीपाबडौद के 6, किशनगंज के 9 व शाहबाद के 5) के 52 विद्यालयों में पेयजल मय फिल्टर लागत 52,00,000 रुपये से स्थापित किया जाना अनुमोदित है।
- बारां जिले के आई.सी.टी. सुविधायुक्त 105 विद्यालयों में ई-लर्निंग के माध्यम से शिक्षा के स्तर को बढ़ाने हेतु मोइनी फाउन्डेशन द्वारा तीन वर्षों के लिए, प्रति अकादमिक वर्ष 15 लाख रुपये (कुल 45 लाख रुपये) की लागत से क्रियान्वयन किया जा चुका है।
- ग्रामीण विकास ट्रस्ट, बाराँ द्वारा 308.02 लाख रुपये की लागत से बाराँ जिले में पर्यावरण सम्बन्धित कार्य (Crop Residue Programme, Pasture Land Development Programme, Community Cattle Shade, Community Park etc.) किये जा चुके हैं।

2.सूरतगढ सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत परियोजना (इकाई-7 व 8)-

सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के अन्तर्गत परियोजना निर्माण के दौरान 33 करोड़ रुपये के कार्य परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों के सामुदायिक विकास के लिए किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें से 8.44 करोड़ रुपयें के विभिन्न कार्य सम्पन्न करवाये जा चुके हैं।

विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक

भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने वर्ष 2007 में परसा ईस्ट एवम् कांटे बासन कोल ब्लॉक जो कि छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है का आवंटन राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को किया था, इस ब्लॉक की कुल खनन क्षमता को विद्युत उत्पादन निगम के निवेदन पर कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 18.11.2013 को 10 MTPA से बढ़ाकर 15 MTPA करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। 15 MTPA क्षमता हेतु पर्यावरण स्वीकृति दिनांक 10.08.2018 को पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 24.09.2014 को, वर्ष 1993 से 2011 के दौरान आवंटित 218 में से 214 कोयला ब्लॉक रद्द कर दिये गये थे, जिसमें उत्पादन निगम को आवंटित उक्त परसा ईस्ट एवम् कांटे बासन कोयला ब्लॉक भी शामिल था। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा जारी अध्यादेश/अधिनियम के अनुसार "सरकारी कम्पनियों को आवंटन प्रक्रिया" के तहत विद्युत उत्पादन निगम को उक्त कोल ब्लॉक पुन आवंटित किया गया है। उक्त प्रक्रिया के तहत ही छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित परसा कोयला ब्लॉक भी उत्पादन निगम को आवंटित किया गया है।

उपरोक्त के अलावा कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित 200 मिलियन टन का एक कोल ब्लॉक कांटे एक्सटेंशन का आवंटन दिनांक 31.03.15 को जारी आवंटन पत्र के द्वारा उत्पादन निगम को किया गया है।

परसा ईस्ट एवम् कांटे बासन कोल ब्लॉक से कोयला खनन फरवरी 2013 से प्रारम्भ हो चुका है तथा उत्पादन निगम के विद्युत उत्पादन गृहों को निरंतर आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2016-17 में 8.267 मिलियन टन व वर्ष 2017-18 में 8.329 मिलियन टन कोल का खनन किया गया है। वर्ष 2018-19 में 15.0 मिलियन टन की उच्चतम क्षमता का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। वर्ष 2019-20 में भी 15.0 मिलियन टन कोल खनन का लक्ष्य है जिसमें माह दिसम्बर 2019 तक 10.53 मिलियन टन कोल का खनन किया जा चुका है।

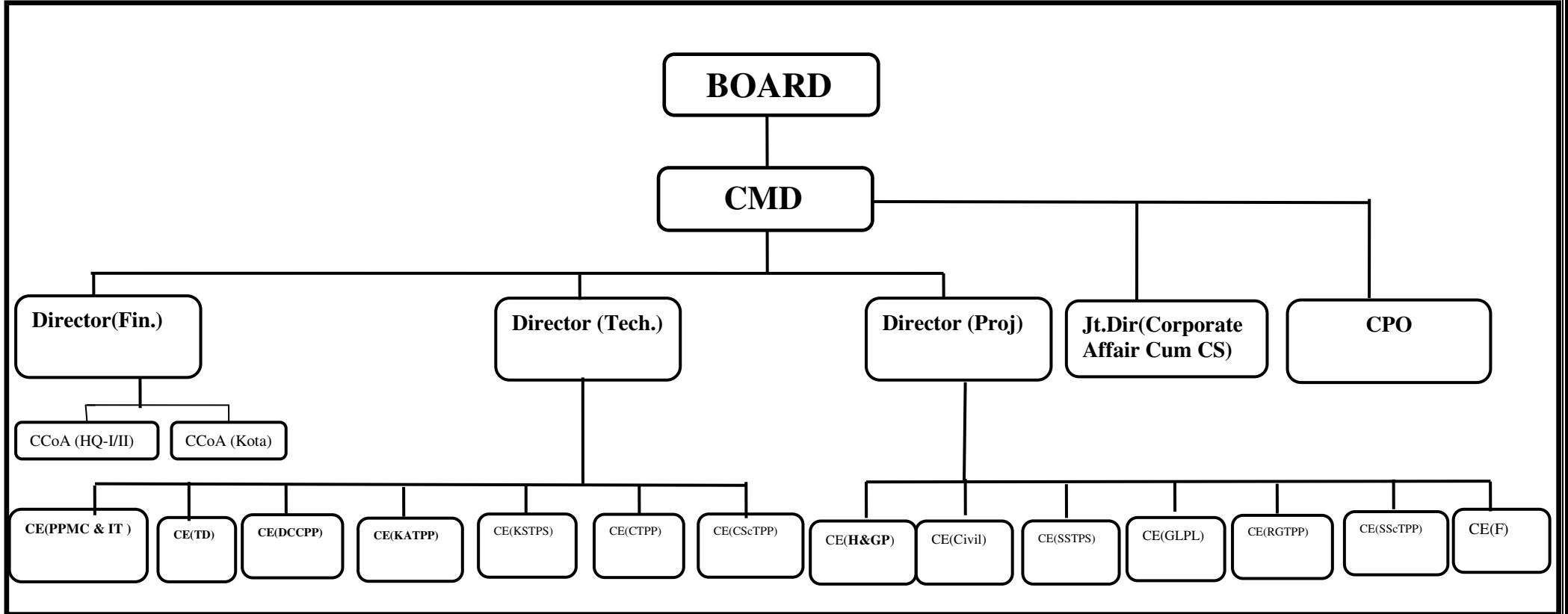
पारसा कोल ब्लॉक को विकसित करने के लिए विभिन्न आवश्यक स्वीकृति प्राप्त करने की कार्यवाही आरंभ कर दी गयी है तथा माइनिंग लीज, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण स्वीकृति तथा फॉरेस्ट क्लीयरेंस हेतु आवेदन भारत सरकार छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के संबंधित विभागों में किया जा चुका है। इस कोल ब्लॉक को विकसित कर वर्ष 2020-21 तक कोयला उत्पादन प्रारम्भ कर दिया जावेगा।

कांटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को विकसित करने के लिए भी प्रारंभिक कार्यवाही आरंभ कर दी गई है तथा वर्ष 2020-21 तक कोयला उत्पादन प्रारंभ कर दिया जावेगा।

निगम के विद्युत उत्पादन गृहों के परिचालन एवं दक्षता में सुधार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

- राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के विद्युत उत्पादन गृहों के परिचालन एवं दक्षता में सुधार लाने के लिए सभी कार्यरत अभियंताओं, केमिस्टों, लेखा कार्मिकों, मंत्रालयिक एवं प्रशासनिक कार्मिकों एवं अन्य कर्मचारियों को संबंधित तकनीकी व व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सतत आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में विभिन्न अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के द्वारा निगम के विद्युतगृहों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के केन्द्रों पर प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थाओं जैसे मैसर्स NTPC मैसर्स NPTI, मैसर्स नेशनल सैफ्टी काउन्सिल-मुम्बई, CBIP-नई दिल्ली, मैसर्स ESCI हैदराबाद, मैसर्स ICWAI MARF नई दिल्ली, और IIT's & IIM's के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रबंधन प्रशिक्षण के कार्यक्रम IIM कलकत्ता और MDI गुडगाँव से करवाए जाते हैं। इसी प्रकार मूल उपकरण निर्माताओं जैसे मैसर्स HEL, मैसर्स ABB, मैसर्स NBC, मैसर्स STEAG, मैसर्स SIEMENS आदि के माध्यम से तकनीकी कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।
- उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनवरी 2019 से दिसम्बर 2019 के बीच 28 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें निगम के सभी विद्युतगृहों की अलग-अलग शाखाओं के 518 अभियन्ताओं, केमिस्टों, लेखा एवं मंत्रालयिक तथा प्रशासनिक कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। 04 प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 60 वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।
- जनवरी और फरवरी 2020 में 07 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।
- उत्पादन निगम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेमिनार, Technical Papers & Magazines से प्राप्त अध्ययन सामग्री को भी RVUN की वेबसाइट पर ट्रेनिंग पोर्टल में अद्यतन किया जा रहा है। जिसका उपयोग निगम में कार्यरत सभी अभियंताओं/कर्मचारियों के द्वारा किया जा रहा है।

विद्युत उत्पादन निगम
संगठनात्मक मानचित्र (Organisation Chart)



विद्युत उत्पादन निगम जनशक्ति

कर्मचारी संख्या (31.12.2019)

| कर्मचारी | कर्मचारी संख्या |
|--|-----------------|
| नियमित: | |
| 1. तकनीकी : | |
| (क) अधिकारी (सहायक अभियंता एवं उच्च) | 1327 |
| (ख) कनिष्ठ अभियंता एवं कनिष्ठ रसायनज्ञ | 888 |
| (ग) अधीनस्थ (ऑपरेटर्स, तकनीशियन आदि) | 1340 |
| योग-1 | 3555 |
| 2. गैर तकनीकी : | |
| (क) अधिकारी | 77 |
| (ख) मंत्रालयिक | 477 |
| (ग) चतुर्थ श्रेणी | 90 |
| योग-2 | 644 |
| योग (1+2) | 4199 |
